संस्कृत साहित्य (द्वितीय प्रश्न-पत्र)

(भारतीय संस्कृति के तत्व, पद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण)

Time Allowed : Three Hours Maximum Marks : 100

प्रत्येक प्रश्न-पत्र में 15 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिसमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। जिस प्रश्न-पत्र में संस्कृत अनुवाद/निबन्ध पूछे गए हैं, वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं है।

Part-I (Short Answers) **M.M. : 30**

(i) वेद कितने हैं ? उनके नाम लिखिये।

(ii) त्रिविध ऋण कौन से हैं ?

(iii) भारतीय संस्कृति के अन्तर्गत चार आश्रमों के नाम बताइये।

(iv) 'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य का अंगीरस कौन सा है ?

(v) किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग में विवेचित मनुष्य के छह आन्तरिक शत्रु कौन से हैं ?

(vi) 'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य की नायिका का नाम बताइये।

(vii) वनेचर कौरवों के समस्त समाचार जानकर युधिष्ठिर के पास कौन से वन में आया?

(viii) पद संज्ञा विधायक सूत्र कौन सा है ?

(ix) 'हलोऽनन्तराः संयोगः' सूत्र का अर्थ बताइये।

(x) अनुनासिक संज्ञक वर्ण कौन से होते हैं ?

(xi) 'इको यणचि' सूत्र का अर्थ बताइये।

(xii) 'स्तोः श्चुनाश्चुः' सूत्र का अर्थ बताइये।

(xiii) 'गत्वा' में प्रकृति-प्रत्यय का विभाजन कीजिये।

(xiv) 'एधितव्यम्' में कौन सा प्रत्यय है ?

(xv) 'चेयम्' में 'यत्' प्रत्यय विधायक सूत्र कौन सा है ? 15×2=30

Part-II (Descriptive) **M.M. : 70**

भाग-II (वर्णनात्मक) अधिकतम अंक : 70

2. भारतीय संस्कृति की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

अथवा

षोड़श संस्कारों की उपयोगिता एवं महत्त्व पर एक लेख लिखिये। 10

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए- 4

(i) पंच महायज्ञ (ii) प्राचीन भारतीय शिक्षा केन्द्र

4. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की प्रसंग व सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए- 6+6=12

(क) क्रियासु युक्तैर्नृप चारचक्षुषो न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः।
अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः॥

(ख) वसूनि वाञ्छन्न वशी न मन्युना स्वधर्म इत्येव निवृत्तकारणः।
गुरूपदिष्टेन रिपौ सुतेऽपि वा निहन्ति दण्डेन स धर्मविप्लवम्॥

(ग) इमामहं वेद न तावकीं धियं विचित्ररूपाः खलु चित्तवृत्तयः।
विचिन्तयन्त्याभवदापदं परां रुजन्ति चेतः प्रसभं ममाधयः॥

(घ) विहाय शान्तिं नृत! धाम तत्पुनः प्रसीद संधेहि वधाय विद्विषाम्।
व्रजन्ति शत्रूनवधूय निः स्पृहाः शमेन सिद्धिं मुनयो न भूभृतः॥

5. 'किरातार्जुनीयम्' प्रथम सर्ग के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिये।

अथवा

किरातार्जुनीयम् महाकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश सोदाहरण प्रस्तुत कीजिये।

6. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं दो की सोदाहरण व्याख्या कीजिए– 2+2=4

(i) हलन्त्यम्
(ii) तस्यलोपः
(iii) उच्चैरुदात्तः
(iv) तुल्यास्य प्रयत्नं सवर्णम्

7. (क) निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं दो की सोदाहरण व्याख्या कीजिए– 2+2=4

(i) एचोऽयवायावः
(ii) वृद्धिरेचि
(iii) अकः सवर्णे दीर्घः
(iv) एङः पदान्तादति

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिये– 2+2=4

(i) सुध्युपास्य (ii) नायकः (iii) उपेन्द्र (iv) मनीषा

8. (क) निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं दो की सोदाहरण व्याख्या कीजिए– 2+2=4

(i) झलां जशोऽन्ते (ii) मोऽनुस्वारः (iii) शश्छोऽटि (iv) शितुक्

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिये– 2+2=4

(i) रामश्चिनोति (ii) रामष्षष्ठः (iii) वागीशः (iv) सञ्छम्भुः

9. (क) निम्नलिखित में से किसी एक की सोदाहरण व्याख्या कीजिए– 2

(i) रोरि (ii) विसर्जनीयस्य सः

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक शब्दं की सोदाहरण व्याख्या कीजिए– 4

(i) विष्णुस्त्राता (ii) शिवो वन्धः

10. निम्नलिखित प्रत्ययों में से किन्हीं चार प्रत्ययों का प्रयोग कर संस्कृत में चार वाक्यों की रचना कीजिए– 3½+3½+3½+3½=14

(i) क्त्वा (ii) शतृ (iii) ण्यप् (iv) क्त
(v) तुमुन् (vi) ण्यत् (vii) अनीयर् (viii) शानच्

○○○